HINDI FILE

SIX SIGMA IAS

Dream | Dare | Deliver

DREAM FOR NATION | DARE TO SERVE | DELIVER WITH INTEGRITY

DAILY PRACTICE QUESTIONS

BEST FOR UPSC | UP PCS EXAM

DATE : JULY 31, 2026

Comprehensive Coverage | Exam-Focused Analysis | Concept Clarity & Insights | Practice MCQs with Explanation | Daily Updates, Better Results

CONTACT INFO:
+91 92896 33341 | +91 96679 33341

EMAIL ID:
info@sixsigmaias.com

WEB PAGE:
www.sixsigmaias.com

ADDRESS:
C-6, GROUND FLOOR, SECTOR 2,
NEAR SECTOR 15 METRO STATION, NOIDA – 201301, UTTAR PRADESH

दैनिक अभ्यास प्रश्न - स्थैतिक भाग से

Q1. उत्तर वैदिक यज्ञ परंपरा के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. राजसूय और अश्वमेध जैसे राजकीय यज्ञों की बढ़ती जटिलता ने केवल धार्मिक प्रथाओं के बजाय क्षेत्रीय राज्यों के बढ़ते राजनीतिक अधिकार को दर्शाया।
2. शतपथ ब्राह्मण ने यज्ञों की प्रतीकात्मक व्याख्या को लगातार अस्वीकार कर दिया और खुद को विशेष रूप से अनुष्ठान प्रक्रियाओं तक ही सीमित रखा।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं? (a) केवल एक (b) दोनों कथन (c) कोई भी कथन नहीं (d) दी गई जानकारी से निर्धारित नहीं किया जा सकता

उत्तर: (a) केवल एक

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** उत्तर वैदिक काल के दौरान, राजसूय, वाजपेय और अश्वमेध जैसे विस्तृत यज्ञ शाही अधिकार को वैध बनाने और राजनीतिक प्रभाव का विस्तार करने के साधन बन गए। उन्होंने बड़े क्षेत्रीय राजनीतिक निकायों के उद्भव को दर्शाया।
- **कथन 2 गलत है।** शतपथ ब्राह्मण केवल अनुष्ठानों की पुस्तिका नहीं है। यह यज्ञों की विस्तृत प्रतीकात्मक और दार्शनिक व्याख्याएं प्रदान करता है, जिनमें से कई ने बाद में उपनिषद के विचारों को प्रभावित किया।

अतः, केवल कथन 1 सही है।

Q2. निम्नलिखित में से कौन सी पारिस्थितिक अवधारणा सबसे अच्छी तरह यह समझाती है कि प्राथमिक उत्पादकता में किसी भी प्रत्यक्ष परिवर्तन के बिना, शीर्ष शिकारी को हटाने से कई पोषण स्तरों (ट्रॉफिक लेवल्स) में व्यापक परिवर्तन क्यों हो सकते हैं?

(a) पारिस्थितिक उत्तराधिकार (इकोलॉजिकल सक्सेशन)

(b) ट्रॉफिक कैस्केड

(c) प्रतिस्पर्धी बहिष्करण सिद्धांत (कॉम्पिटिटिव एक्सक्लूजन प्रिंसिपल)

(d) बर्गमैन का नियम

उत्तर: (b) ट्रॉफिक कैस्केड

स्पष्टीकरण: ट्रॉफिक कैस्केड तब होता है जब उच्चतम पोषण स्तर पर परिवर्तन निचले पोषण स्तरों पर अप्रत्यक्ष प्रभाव डालते हैं। शीर्ष शिकारियों को हटाने से अक्सर शाकाहारी आबादी बढ़ जाती है, जिससे अत्यधिक चराई और पारिस्थितिकी तंत्र की संरचना में परिवर्तन होता है। यह घटना प्राथमिक उत्पादकता में परिवर्तन से स्वतंत्र है और टॉप-डाउन पारिस्थितिक विनियमन का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

Q3. मानव पूंजी निर्माण और आर्थिक विकास के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. शिक्षा में निवेश श्रम बाजार की स्थिति की परवाह किए बिना श्रम उत्पादकता में आवश्यक रूप से तत्काल वृद्धि का परिणाम देता है।
2. मानव पूंजी नवाचार, अनुकूलनशीलता और तकनीकी अवशोषण में सुधार करके आर्थिक विकास में योगदान करती है।
3. निवारक स्वास्थ्य सेवा पर सार्वजनिक व्यय दीर्घकालिक उत्पादकता को बढ़ा सकता है भले ही इससे तुरंत जीडीपी में वृद्धि न हो।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं? (a) केवल एक (b) केवल दो (c) सभी तीन (d) कोई नहीं

उत्तर: (b) केवल दो

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 गलत है।** शिक्षा स्वचालित रूप से या तुरंत उत्पादकता लाभ में परिवर्तित नहीं होती है। लाभ रोजगार के अवसरों, शिक्षा की गुणवत्ता, पूरक बुनियादी ढांचे और श्रम बाजार की दक्षता पर निर्भर करते हैं।
- **कथन 2 सही है।** मानव पूंजी नवाचार, कौशल निर्माण और नई तकनीकों को अपनाने की क्षमता को बढ़ाती है, जिससे दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा मिलता है।
- **कथन 3 सही है।** निवारक स्वास्थ्य सेवा कार्यबल की दक्षता में सुधार करती है और बीमारी के कारण होने वाली उत्पादकता के नुकसान को कम करती है, जिससे दीर्घकालिक आर्थिक लाभ मिलते हैं, भले ही अल्पकालिक जीडीपी प्रभाव सीमित हों।

इस प्रकार, कथन 2 और 3 सही हैं।

Q4. संघ और राज्यों के बीच संबंधों को नियंत्रित करने वाले संवैधानिक ढांचे के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. संसद राज्यों की पूर्व सहमति प्राप्त किए बिना राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान राज्य सूची के विषय पर कानून बना सकती है।
2. राज्यसभा प्रस्ताव तंत्र के तहत राज्य सूची पर संसद द्वारा बनाया गया कानून, प्रस्ताव के बंद होने के बाद भी स्थायी रूप से लागू रहता है।
3. संसद राष्ट्रीय आपातकाल के बिना भी कुछ अंतरराष्ट्रीय संधियों या समझौतों को लागू करने के लिए राज्य सूची के मामलों पर कानून बना सकती है।
4. किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन के दौरान, संसद राज्य विधायिका की विधाई शक्तियों को ग्रहण कर सकती है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं? (a) केवल एक (b) केवल दो (c) केवल तीन (d) सभी चार

उत्तर: (c) केवल तीन

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** अनुच्छेद 250 के तहत, संसद राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान राज्य सूची के विषयों पर कानून बना सकती है।
- **कथन 2 गलत है।** अनुच्छेद 249 के तहत बनाए गए कानून अपनी विशेष स्थिति में स्थायी रूप से प्रभावी नहीं रहते हैं। राज्यसभा का प्रस्ताव समाप्त होने के बाद वे एक सीमित अवधि तक जारी रहते हैं, जब तक कि संवैधानिक प्रावधानों के तहत अन्यथा निरस्त या संशोधित न किया जाए।
- **कथन 3 सही है।** अनुच्छेद 253 के तहत, संसद अंतरराष्ट्रीय संधियों या समझौतों को लागू करने के लिए राज्य सूची के विषयों सहित किसी भी विषय पर कानून बना सकती है।
- **कथन 4 सही है।** राष्ट्रपति शासन (अनुच्छेद 356) के दौरान, संसद राज्य विधायिका के विधाई कार्यों को ग्रहण करती है।

अतः, कथन 1, 3 और 4 सही हैं।

Q5. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

- **अभिकथन (A):** नदी का अपहरण (रिवर कैप्चर) भूवैज्ञानिक समय के साथ किसी क्षेत्र के जल निकासी पैटर्न को महत्वपूर्ण रूप से बदल सकता है।
- **कारण I:** एक नदी प्रणाली द्वारा शीर्षमुखी कटाव (हेडवर्ड इरोजन) एक पड़ोसी नदी बेसिन के ऊपरी हिस्सों को रोक सकता है।
- **कारण II:** नदी का अपहरण केवल विवर्तनिक रूप से सक्रिय क्षेत्रों में हो सकता है जो हाल ही में पर्वत निर्माण का अनुभव कर रहे हैं।

निम्नलिखित में से कौन सा सही है? (a) अभिकथन सही है, कारण I सही है, कारण II सही है, और दोनों कारण अभिकथन की व्याख्या करते हैं। (b) अभिकथन सही है, कारण I सही है, लेकिन कारण II गलत है। (c) अभिकथन गलत है, लेकिन कारण I सही है। (d) अभिकथन सही है, लेकिन दोनों कारण गलत हैं।

उत्तर: (b) अभिकथन सही है, कारण I सही है, लेकिन कारण II गलत है।

स्पष्टीकरण:

- **अभिकथन सही है।** नदी का अपहरण (स्ट्रीम पाइरेसी) भूवैज्ञानिक समय के साथ एक नदी के प्रवाह को दूसरे बेसिन में मोड़कर जल निकासी नेटवर्क को बदल देता है।
- **कारण I सही है।** हेडवर्ड इरोजन नदी के अपहरण के लिए जिम्मेदार प्रमुख तंत्रों में से एक है और सीधे तौर पर अभिकथन की व्याख्या करता है।
- **कारण II गलत है।** हालांकि टेक्टोनिक गतिविधि नदी के अपहरण को सुविधाजनक बना सकती है, लेकिन यह एक आवश्यक शर्त नहीं है। नदी का अपहरण विभेदक कटाव, आधार स्तर में परिवर्तन या हिमनद प्रक्रियाओं के परिणामस्वरूप भी हो सकता है।

अतः, विकल्प (b) सही उत्तर है।

दैनिक अभ्यास प्रश्न – करंट अफेयर्स अनुभाग से

Q1. भारत के ई-कॉमर्स काउंसिल (ECCI) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. ई-कॉमर्स काउंसिल ऑफ इंडिया का उद्देश्य भारत के डिजिटल वाणिज्य पारिस्थितिकी तंत्र में हितधारकों के बीच समन्वय की सुविधा के लिए एक उद्योग के नेतृत्व वाले संस्थागत मंच के रूप में कार्य करना है।
2. ECCI की स्थापना एक संवैधानिक संशोधन के माध्यम से की गई है और यह भारत में काम करने वाली सभी ई-कॉमर्स संस्थाओं को विनियमित करने के लिए वैधानिक शक्तियां प्राप्त करता है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं? (a) केवल एक (b) दोनों कथन (c) कोई भी कथन नहीं (d) दी गई जानकारी से निर्धारित नहीं किया जा सकता

उत्तर: (a) केवल एक

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** ECCI को हितधारक समन्वय, नीति संवाद और क्षेत्रीय सहयोग के माध्यम से भारत के ई-कॉमर्स पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से एक उद्योग-नेतृत्व वाले सहयोगात्मक मंच के रूप में परिकल्पित किया गया है।
- **कथन 2 गलत है।** ECCI कोई संवैधानिक या वैधानिक नियामक नहीं है। यह संवैधानिक संशोधन के माध्यम से विनियामक अधिकार प्राप्त नहीं करता है। नियामक कार्य संबंधित मंत्रालयों और वैधानिक प्राधिकरणों के पास ही रहते हैं।

Q2. मिशन आगमन: विक्रम-1 किससे संबंधित है:

(a) वाणिज्यिक उपग्रह प्रक्षेपण के लिए अभिप्रेत भारत का पहला निजी तौर पर विकसित कक्षीय प्रक्षेपण यान

(b) इसरो का पुन: प्रयोज्य प्रक्षेपण यान प्रदर्शन कार्यक्रम

(c) भारत का स्वदेशी मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान पुनर्प्राप्ति मॉड्यूल

(d) चंद्रयान-4 के लिए डिज़ाइन किया गया एक चंद्र रोवर

उत्तर: (a) वाणिज्यिक उपग्रह प्रक्षेपण के लिए अभिप्रेत भारत का पहला निजी तौर पर विकसित कक्षीय प्रक्षेपण यान

स्पष्टीकरण: मिशन आगमन स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 के पहले कक्षीय मिशन का प्रतिनिधित्व करता है। विक्रम-1 को छोटे उपग्रहों को लो अर्थ ऑर्बिट (LEO) में स्थापित करने में सक्षम एक निजी कक्षीय प्रक्षेपण यान के रूप में डिजाइन किया गया है, जो भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होता है।

Q3. मानसबल झील के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसे जम्मू और कश्मीर की सबसे गहरी मीठे पानी की झीलों में से एक माना जाता है।
2. इस झील को रामसर कन्वेंशन के तहत रामसर स्थल के रूप में नामित किया गया है।
3. तैरती हुई वनस्पति और व्यापक कमल की वृद्धि झील की महत्वपूर्ण पारिस्थितिक विशेषताएं हैं।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं? (a) केवल एक (b) केवल दो (c) सभी तीन (d) कोई नहीं

उत्तर: (b) केवल दो

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** मानसबल झील जम्मू और कश्मीर की सबसे गहरी मीठे पानी की झीलों में से एक है।
- **कथन 2 गलत है।** मानसबल झील को रामसर स्थल के रूप में नामित नहीं किया गया है।
- **कथन 3 सही है।** यह झील अपने कमल के बिस्तरों और समृद्ध जलीय जैव विविधता के लिए अच्छी तरह से जानी जाती है।

अतः, कथन 1 और 3 सही हैं।

Q4. विश्व कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहयोग संगठन (WAICO) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. WAICO कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार विकास और शासन पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना चाहता है।
2. WAICO की सदस्यता विशेष रूप से संप्रभु राज्यों तक ही सीमित है।
3. इसका एक उद्देश्य सरकारों, उद्योगों और अनुसंधान संस्थानों से जुड़े सीमा पार सहयोग को सुगम बनाना है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं? (a) केवल एक (b) केवल दो (c) सभी तीन (d) कोई नहीं

उत्तर: (b) केवल दो

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** एआई शासन और जिम्मेदार एआई विकास पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए WAICO का प्रस्ताव किया गया है।
- **कथन 2 गलत है।** इसका सहयोगात्मक ढांचा कई हितधारकों को शामिल करने के लिए अभिप्रेत है और विशेष रूप से संप्रभु सरकारों तक सीमित नहीं है।
- **कथन 3 सही है।** सरकारों, अकादमिक जगत, उद्योग और अनुसंधान संगठनों के बीच सीमा पार सहयोग इसके प्रमुख उद्देश्यों में से एक है।

अतः, कथन 1 और 3 सही हैं।

Q5. इन्वेस्टमेंट फ्रेंड्लीनेस इंडेक्स (IFI) और लेस्टेस पालोती के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इन्वेस्टमेंट फ्रेंड्लीनेस इंडेक्स का उद्देश्य निवेश के माहौल को प्रभावित करने वाले मापदंडों पर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का मूल्यांकन करना है।
2. इस सूचकांक का उद्देश्य निवेश के अनुकूल सुधारों को बढ़ावा देकर प्रतिस्पर्धी संघवाद को प्रोत्साहित करना है।
3. लेस्टेस पालोती ड्रैगनफ्लाई समूह (एनिसोपरा) से संबंधित है।
4. लेस्टेस पालोती भारत की स्थानिक डैम्सेल्फलाई की एक नई वर्णित प्रजाति है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं? (a) केवल एक (b) केवल दो (c) केवल तीन (d) सभी चार

उत्तर: (c) केवल तीन

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** IFI राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में निवेश की आकर्षकता को प्रभावित करने वाले कारकों का आकलन करता है।
- **कथन 2 सही है।** इसका उद्देश्य व्यापार के माहौल को बेहतर बनाने के लिए राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है।
- **कथन 3 गलत है।** लेस्टेस पालोती एक डैम्सेल्फलाई है, ड्रैगनफ्लाई नहीं।
- **कथन 4 सही है।** यह भारत से रिपोर्ट की गई एक नई वर्णित डैम्सेल्फलाई प्रजाति है।

अतः, कथन 1, 2 और 4 सही हैं।

Q6. निम्नलिखित स्थानों पर विचार करें:

1. थेसालोनिकी
2. माउंट ओलंपस
3. लारिसा
4. एजियन सागर

समाचारों में अक्सर देखा जाने वाला माउंट ओलंपस निम्नलिखित में से किसके बीच स्थित है? (a) थेसालोनिकी और लारिसा (b) एथेंस और पेट्रास (c) तिराना और स्कोप्जे (d) सोफिया और प्लोवदीव

उत्तर: (a) थेसालोनिकी और लारिसा

स्पष्टीकरण: ग्रीस का सबसे ऊंचा पर्वत माउंट ओलंपस, थेसाली और मध्य मैसेडोनिया क्षेत्रों की सीमा पर, थेसालोनिकी (उत्तर में) और लारिसा (दक्षिण में) शहरों के बीच स्थित है। यह एजियन सागर की एक शाखा, थेरमाइकस खाड़ी को देखता है, और ग्रीक पौराणिक कथाओं में ओलंपियन देवताओं के निवास के रूप में प्रसिद्ध है।

दैनिक अभ्यास हेतु विषय आधारित प्रश्न

(जीएस पेपर I – भारतीय समाज)

प्र.1 "भारत का जनसांख्यिकीय लाभांश एक अभूतपूर्व अवसर और एक विकट शासन चुनौती दोनों प्रस्तुत करता है।" भारत में बदलती जनसांख्यिकीय प्रवृत्तियों के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (15 अंक | 250 शब्द)

आदर्श उत्तर

भारत दुनिया की सबसे कम उम्र की आबादी में से एक का घर है। इसकी लगभग दो-तिहाई आबादी कामकाजी उम्र के वर्ग से संबंधित है, जो एक महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय लाभांश प्रदान करती है। हालाँकि, यह लाभांश स्वचालित नहीं है; यह शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कौशल विकास में निवेश के माध्यम से युवा आबादी के उत्पादक रोजगार पर निर्भर करता है।

भारत में जनसांख्यिकीय प्रवृत्तियां

- अधिकांश राज्यों में घटती प्रजनन दर।
- बेहतर स्वास्थ्य सेवा के कारण बढ़ती जीवन प्रत्याशा।
- बढ़ता शहरीकरण।
- ग्रामीण से शहरी केंद्रों की ओर पलायन।
- जनसंख्या वृद्धि में क्षेत्रीय असमानताएं।
- सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकता वाली बढ़ती बुजुर्ग आबादी।

अवसर

1. **आर्थिक विकास:** एक बड़ा कार्यबल उत्पादकता और जीडीपी बढ़ा सकता है।
2. **नवाचार:** युवा आबादी तेजी से प्रौद्योगिकी को अपनाती है और उद्यमिता को बढ़ावा देती है।
3. **बचत और निवेश:** कामकाजी उम्र की आबादी आम तौर पर घरेलू बचत बढ़ाती है, जो पूंजी निर्माण का समर्थन करती है।
4. **वैश्विक कार्यबल:** भारत कुशल जनशक्ति का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन सकता है।

चुनौतियां

- **कौशल अंतर:** एक महत्वपूर्ण अनुपात वाले स्नातकों में रोजगार योग्य कौशल की कमी है।
- **बेरोजगारी:** श्रम बल की वृद्धि के साथ रोजगार सृजन तालमेल नहीं बिठा पाया है।
- **क्षेत्रीय असंतुलन:** दक्षिणी राज्य तेजी से बूढ़े हो रहे हैं, जबकि उत्तरी राज्यों में उच्च प्रजनन दर जारी है।
- **स्वास्थ्य चिंताएं:** कुपोषण और खराब स्वास्थ्य सेवा श्रम उत्पादकता को कम करती है।
- **लैंगिक असमानता:** महिला श्रम बल भागीदारी अपेक्षाकृत कम बनी हुई है।

सरकारी पहल

- स्किल इंडिया मिशन
- पीएम कौशल विकास योजना
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
- स्टार्टअप इंडिया
- डिजिटल इंडिया
- आयुष्मान भारत

आगे की राह

- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में सुधार करें।
- विनिर्माण और श्रम-प्रधान उद्योगों को बढ़ावा दें।
- महिला कार्यबल की भागीदारी बढ़ाएं।
- स्वास्थ्य सेवा और पोषण में निवेश करें।
- व्यावसायिक शिक्षा को मजबूत करें।
- नवाचार-संचालित रोजगार को प्रोत्साहित करें।

निष्कर्ष

भारत का जनसांख्यिकीय लाभांश एक समयबद्ध अवसर है। जापान और कई यूरोपीय राष्ट्र जैसे देश अब वृद्ध आबादी का सामना कर रहे हैं। समावेशी विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार सृजन और मानव पूंजी निवेश के माध्यम से भारत को अपने जनसांख्यिकीय लाभ को आर्थिक ताकत में बदलना चाहिए।

(जीएस पेपर II – शासन)

प्र.2 चर्चा कीजिए कि भारत की विदेश नीति गुटनिरपेक्षता से बहु-संरेखण (Multi-Alignment) तक कैसे विकसित हुई है। उभरती हुई बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में इसके महत्व का परीक्षण कीजिए। (15 अंक | 250 शब्द)

आदर्श उत्तर

स्वतंत्रता के बाद से भारत की विदेश नीति में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। जहां रणनीतिक स्वायत्तता के सिद्धांत बरकरार हैं, वहीं समकालीन भू-राजनीतिक माहौल में भारत का दृष्टिकोण शीत युद्ध के दौरान की गुटनिरपेक्षता से विकसित होकर बहु-संरेखण तक पहुंच गया है।

विकास

- **गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM):**
    - सैन्य गुटों से बचाना।
    - रणनीतिक स्वतंत्रता।

    - शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व।
- **शीत युद्ध के बाद के परिवर्तन:**
    - आर्थिक उदारीकरण।
    - चीन का उदय।
    - वैश्वीकरण।
    - ऊर्जा सुरक्षा चिंताएं।

बहु-संरेखण की विशेषताएं

- संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, यूरोप और जापान के साथ एक साथ जुड़ाव।
- QUAD में भागीदारी।
- BRICS और SCO की सदस्यता।
- ग्लोबल साउथ पहलों में नेतृत्व।
- इंडो-पैसिफिक सहयोग।
- जलवायु कूटनीति।

महत्व

- **रणनीतिक स्वायत्तता:** भारत स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता बनाए रखता है।
- **आर्थिक हित:** विविध व्यापार और निवेश साझेदारियां।
- **ऊर्जा सुरक्षा:** खाड़ी देशों और रूस के साथ संतुलित संबंध।
- **प्रौद्योगिकी सहयोग:** सेमीकंडक्टर, एआई, डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर।
- **रक्षा सहयोग:** कई रक्षा साझेदारियां रणनीतिक निर्भरता को कम करती हैं।

चुनौतियां

- अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता।
- रूस-यूक्रेन संघर्ष।
- समुद्री सुरक्षा।
- आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान।
- जलवायु वार्ता।

आगे की राह

- पड़ोस की कूटनीति को मजबूत करें।
- आर्थिक साझेदारियों का विस्तार करें।

- समुद्री क्षमताओं को बढ़ाएं।
- ग्लोबल साउथ के नेतृत्व को बढ़ावा दें।
- तकनीकी आत्मनिर्भरता में निवेश करें।

निष्कर्ष

आज भारत की विदेश नीति अनुकूलन के साथ निरंतरता का प्रतिनिधित्व करती है। रणनीतिक स्वायत्तता मार्गदर्शक सिद्धांत बनी हुई है, जबकि बहु-संरेखण भारत को तेजी से विकसित हो रही बहुध्रुवीय अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में राष्ट्रीय हितों को अधिकतम करने में सक्षम बनाता है।

(जीएस पेपर III – अर्थव्यवस्था)

प्र.3 भारत में व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखते हुए समावेशी विकास को बढ़ावा देने में राजकोषीय नीति की भूमिका का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। (15 अंक | 250 शब्द)

आदर्श उत्तर

राजकोषीय नीति आर्थिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा कराधान, व्यय और उधार के उपयोग को संदर्भित करती है। भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्था में, राजकोषीय नीति न केवल स्थिरीकरण बल्कि पुनर्वितरण और विकास कार्यों को भी पूरा करती है।

उद्देश्य

- आर्थिक विकास
- रोजगार सृजन
- गरीबी में कमी
- बुनियादी ढांचा विकास
- व्यापक आर्थिक स्थिरता

समावेशी विकास में भूमिका

- **सार्वजनिक निवेश:** बुनियादी ढांचा कनेक्टिविटी और उत्पादकता में सुधार करता है।
- **सामाजिक क्षेत्र का खर्च:** शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा मानव पूंजी को बढ़ाते हैं।
- **ग्रामीण विकास:** मनरेगा जैसी योजनाएं ग्रामीण मांग को मजबूत करती हैं।
- **लक्षित सब्सिडी:** डीबीटी दक्षता में सुधार करता है और रिसाव को कम करता है।
- **पूंजीगत व्यय:** गुणक प्रभाव पैदा करता है।

चुनौतियां

- उच्च राजकोषीय घाटा।
- बढ़ता सार्वजनिक ऋण।

- राजस्व बाधाएं।
- सब्सिडी का बोझ।
- मुद्रास्फीति का दबाव।

राजकोषीय उत्तरदायित्व

राजकोषीय उत्तरदायित्व ढांचा संकट के दौरान लचीलापन देते हुए विवेकपूर्ण उधार और टिकाऊ वित्त को प्रोत्साहित करता है।

आगे की राह

- कर अनुपालन बढ़ाएं।
- सब्सिडी को तर्कसंगत बनाएं।
- उत्पादक पूंजीगत व्यय का विस्तार करें।
- व्यय दक्षता में सुधार करें।
- सहकारी राजकोषीय संघवाद को मजबूत करें।

निष्कर्ष

एक अच्छी तरह से डिज़ाइन की गई राजकोषीय नीति स्थिरता के साथ विकास को संतुलित करती है। भारत में समावेशी विकास को बनाए रखने के लिए राजकोषीय अनुशासन के साथ संयुक्त उत्पादक सार्वजनिक व्यय आवश्यक है।

(जीएस पेपर IV – नीतिशास्त्र)

प्र.4 "नैतिक शासन के लिए न केवल सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी की बल्कि संस्थागत जवाबदेही की भी आवश्यकता होती है।" उपयुक्त उदाहरणों के साथ स्पष्ट कीजिए। (15 अंक | 250 शब्द)

आदर्श उत्तर

नैतिक शासन ईमानदारी, पारदर्शिता, जवाबदेही और जन कल्याण पर आधारित निर्णय लेने को संदर्भित करता है। हालांकि व्यक्तिगत ईमानदारी आवश्यक है, लेकिन संस्थानों के पास ऐसे तंत्र भी होने चाहिए जो व्यक्तिगत व्यवहार की परवाह किए बिना नैतिक आचरण सुनिश्चित करें।

ईमानदारी का महत्व

- जनता का विश्वास बनाता है।
- भ्रष्टाचार रोकता है।
- निष्पक्षता को बढ़ावा देता है।
- निष्पक्षता सुनिश्चित करता है।

संस्थागत जवाबदेही की आवश्यकता

- ऑडिट तंत्र।
- सामाजिक जवाबदेही।
- स्वतंत्र निरीक्षण।
- पारदर्शिता कानून।
- नागरिक भागीदारी।

नैतिक सिद्धांत

- वस्तुनिष्ठता
- करुणा
- जिम्मेदारी
- जवाबदेही
- कानून का शासन
- पारदर्शिता

उदाहरण

- डिजिटल शासन से विवेक में कमी।
- आरटीआई पारदर्शिता को बढ़ावा देना।
- सामाजिक ऑडिट से कल्याणकारी कार्यान्वयन में सुधार।
- ई-प्रोक्योरमेंट से भ्रष्टाचार में कमी।

चुनौतियां

- हितों का टकराव।
- राजनीतिक हस्तक्षेप।
- कमजोर प्रवर्तन।
- विलंबित जवाबदेही।

आगे की राह

- एथिक्स ट्रेनिंग।
- मजबूत सतर्कता तंत्र।
- प्रौद्योगिकी-सक्षम शासन।
- व्हिसलब्लोअर के लिए सुरक्षा।
- नागरिक-केंद्रित प्रशासन।

निष्कर्ष

नैतिक शासन तब उभरता है जब पारदर्शितापूर्ण संस्थानों, मजबूत जवाबदेही तंत्र और जनसेवा की संस्कृति द्वारा ईमानदारी का समर्थन किया जाता है। स्थायी सुशासन के लिए नैतिक व्यक्तियों और नैतिक संस्थानों दोनों की आवश्यकता होती है।

(समसामयिक घटनाक्रम)

प्र.5 कृत्रिम बुद्धिमत्ता तेजी से ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों के बराबर एक रणनीतिक संसाधन बनती जा रही है। जिम्मेदार और नैतिक एआई शासन को सुनिश्चित करते हुए वैश्विक एआई लीडर के रूप में उभरने की भारत की तैयारियों पर चर्चा कीजिए। (15 अंक | 250 शब्द)

आदर्श उत्तर

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) एक परिवर्तनकारी तकनीक बन गई है जो शासन, स्वास्थ्य सेवा, रक्षा, शिक्षा, विनिर्माण और वित्तीय सेवाओं को प्रभावित कर रही है। राष्ट्र तेजी से एआई को आर्थिक प्रतिस्पर्धा और राष्ट्रीय सुरक्षा के निहितार्थों के साथ एक रणनीतिक संपत्ति के रूप में देखते हैं।

भारत की ताकतें

- बड़ा डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर।
- बढ़ता स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र।
- मजबूत आईटी सेवाएं उद्योग।
- कुशल प्रौद्योगिकी कार्यबल।
- बढ़ता सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र।
- एआई नवाचार का समर्थन करने वाली सरकारी पहल।

अवसर

- **आर्थिक विकास:** एआई उत्पादकता में काफी सुधार कर सकता है।
- **कृषि:** सटीक खेती और फसल पूर्वानुमान।
- **स्वास्थ्य सेवा:** बीमारी का निदान और टेलीमेडिसिन।
- **शिक्षा:** व्यक्तिगत शिक्षण।
- **शासन:** स्मार्ट सेवा वितरण और भविष्यवादी नीति-निर्माण।

चुनौतियां

- डेटा गोपनीयता संबंधी चिंताएं।
- एल्गोरिथम पूर्वाग्रह।
- साइबर सुरक्षा जोखिम।

- उन्नत एआई शोधकर्ताओं की कमी।
- डिजिटल विभाजन।
- नैतिक चिंताएं।

आवश्यक उपाय

- व्यापक एआई शासन ढांचा।
- जिम्मेदार एआई मानक।
- अनुसंधान में निवेश।
- कौशल और री-स्किलिंग कार्यक्रम।
- अंतरराष्ट्रीय सहयोग।
- स्वदेशी एआई पारिस्थितिकी तंत्र।

निष्कर्ष

भारत के पास एक अग्रणी एआई शक्ति बनने के लिए मजबूत foundational फायदे हैं। हालाँकि, तकनीकी नेतृत्व के साथ नैतिक शासन, मजबूत विनियमन, नवाचार के अनुकूल नीतियों और समावेशी डिजिटल विकास का होना आवश्यक है। वैश्विक एआई पारिस्थितिकी तंत्र में भारत की दीर्घकालिक सफलता का निर्धारण नवाचार को जवाबदेही के साथ संतुलित करना करेगा।

SIXSIGMA IAS
Dream | Dare | Deliver